षोडश माला, खंड 1, अंक 3

शुक्रवार, 6 जून, 2014
16 ज्येष्ठ, 1936 (शक)

लोक सभा वाद-विवाद

(हिन्दी संस्करण)

पहला सत्र

(सोलहवीं लोक सभा)

(खण्ड 1 में अंक 1 से 6 तक हैं)

लोक सभा सचिवालय
नई दिल्ली

मूल्य : एक सौ पन्द्रह रुपये

सम्पादक मण्डल

पी श्रीधरन
महासचिव
लोक सभा

पी.वी.एल.एन. मूर्ति
संयुक्त सचिव

ऊषा जैन
निदेशक

अजीत सिंह यादव
अपर निदेशक

कीर्ति प्रभा
सम्पादक

धर्म सिंह
सम्पादक

कीर्ति यादव
सम्पादक

© 2014 लोक सभा सचिवालय

हिन्दी संस्करण में सम्मिलित मूल हिन्दी कार्यवाही ही प्रामाणिक मानी जाएगी। इसमें सम्मिलित मूलत: अंग्रेजी और अन्य भाषाओं में दिए गए भाषणों का हिन्दी अनुवाद प्रामाणिक नहीं माना जाएगा। पूर्ण प्रामाणिक संस्करण के लिए कृपया लोक सभा वाद-विवाद का मूल संस्करण देखें।

लोक सभा सचिवालय की पूर्व स्वीकृति के बिना किसी भी सामग्री की न तो नकल की जाए और न ही पुन: प्रतिलिपि तैयार की जाए, साथ ही उसका वितरण, पुन: प्रकाशन, डाउनलोड, प्रदर्शन तथा किसी अन्य कार्य के लिए इस्तेमाल अथवा किसी अन्य रूप या साधन द्वारा प्रेषण न किया जाए, यह प्रतिबंध केवल इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोप्रति, रिकॉर्डिंग आदि तक ही सीमित नहीं है। तथापि इस सामग्री का केवल निजी, गैर वाणिज्यिक प्रयोग हेतु प्रदर्शन, नकल और वितरण किया जा सकता है बशर्ते कि सामग्री में किसी प्रकार का परिवर्तन न किया जाए और सभी प्रतिलिप्यधिकार (कॉपीराइट) तथा सामग्री में अंतर्विष्ट अन्य स्वामित्व संबंधी सूचनायें सुरक्षित रहें।

इंटरनेट

लोक सभा की सत्रावधि के प्रत्येक दिन के वाद-विवाद का मूल संस्करण भारतीय संसद की निम्नलिखित वेबसाइट पर उपलब्ध है:

http://www.parliamentofindia.nic.in
http://www.loksabha.nic.in

लोक सभा की कार्यवाही का दूरदर्शन पर सीधा प्रसारण

लोक सभा की संपूर्ण कार्यवाही का दूरदर्शन के विशेष चैनल ''डीडी-लोकसभा'' पर सीधा प्रसारण किया जाता है। यह प्रसारण सत्रावधि में प्रतिदिन प्रातः 11.00 बजे लोक सभा की कार्यवाही शुरू होने से लेकर उस दिन की सभा समाप्त होने तक होता है।

लोक सभा वाद-विवाद बिक्री के लिए उपलब्ध

लोक सभा वाद-विवाद के हिन्दी संस्करण और अंग्रेजी संस्करण की प्रतियां तथा संसद के अन्य प्रकाशन, विक्रय फलक, संसद भवन, नई दिल्ली-110001 पर बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

© 2014 प्रतिलिप्यधिकार लोक सभा सचिवालय

लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों (चौदहवां संस्करण) के नियम 379 और 382 के अंतर्गत प्रकाशित
और इंडियन प्रेस, नई दिल्ली-110033 द्वारा मुद्रित।

विषय-सूची

[षोडश माला, खंड 1, पहला सत्र, 2014/1936 (शक)]

अंक 3, शुक्रवार, 6 जून, 2014/16 ज्येष्ठ, 1936 (शक)

विषय	कॉलम
सदस्यों द्वारा शपथ ग्रहण	1–2
सामयिक अध्यक्ष द्वारा टिप्पणी	
अध्यक्ष का निर्वाचन	3–7
माननीय सामयिक अध्यक्ष का अभिनंदन	8
माननीय अध्यक्ष को बधाई	
श्री नरेन्द्र मोदी	8
श्री मल्लिकार्जुन खड़गे	10
डॉ. एम. तंबिदुरै	10
श्री सुदीप बंदोपाध्याय	12
श्री भर्तृहरि महताब	13
श्री अनन्त गंगाराम गीते	14
श्री अशोक गजपति राजू	14
श्री पी. करुणाकरन	14
श्री मेकापति राज मोहन रेड्डी	15
श्री राम विलास पासवान	15
श्री तारिक अनवर	16
श्री मुलायम सिंह यादव	17
श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव	17
श्रीमती हरसिमरत कौर बादल	18
श्री धर्म वीर गांधी	19
श्री ए.पी. जितेन्द्र रेड्डी	19
श्री बदरुद्दीन अजमल	19
कुमारी महबूबा मुफ्ती	20
श्री दुष्यंत चौटाला	23

विषय	कॉलम
श्री नेफिउ रिओ	23
श्री कौशलेन्द्र कुमार	23
श्री एच.डी. देवेगौड़ा	24
श्रीमती अनुप्रिया सिंह पटेल	24
श्री असादुद्दीन ओवैसी	25
डॉ. अंबुमनी रामादोस	26
श्री एन.के. प्रेमचन्द्रन	26
श्री ई. अहमद	27
श्री जोस के. मणि	27
माननीय अध्यक्ष	28
मंत्रियों का परिचय	32

लोक सभा के पदाधिकारी

अध्यक्ष*

श्रीमती सुमित्रा महाजन

सभापति तालिका**

श्री अर्जुन चरण सेठी
श्री पूरनो अगितोक संगमा
श्री बिरेन सिंह इंगती

महासचिव

श्री पी. श्रीधरन

---

*06.06.2014 को निर्वाचित।

**29.05.2014 को नामनिर्देशित।

राष्ट्रपति द्वारा 29.05.2014 को निम्नलिखित दो पृथक आदेश जारी किए गए:

1. जबकि 04 जून, 2014 को लोक सभा की पहली बैठक के आरंभ होने से तुरंत पहले अध्यक्ष का पद रिक्त हो जाएगा तथा उपाध्यक्ष का पद भी रिक्त है:—

   अत: भारत के संविधान के अनुच्छेद 95 के खंड (1) द्वारा मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं एतद्द्वारा लोक सभा के सदस्य, श्री कमलनाथ को उक्त बैठक के आरंभ होने से लेकर उक्त सभा द्वारा अध्यक्ष के चुने जाने तक के लिए अध्यक्ष पद के कर्त्तव्यों का निर्वहन करने के लिए नियुक्त करता हूं।

2. मैं एतद्द्वारा श्री अर्जुन चरण सेठी, श्री पूरनो अगितोक संगमा तथा श्री बिरेन सिंह इंगती को उन व्यक्तियों की सूची में नियुक्त करता हूं जिनमें से किसी के भी समक्ष लोक सभा के सदस्य भारत के संविधान के अनुच्छेद 99 के उपबंधों के अनुसार शपथ ले सकते हैं अथवा प्रतिज्ञान कर सकते हैं।

प्रणब मुखर्जी
भारत के राष्ट्रपति

लोक सभा

शुक्रवार, 6 जून, 2014/16 ज्येष्ठ, 1936 (शक)

लोक सभा पूर्वाह्न 11.00 बजे समवेत हुई।

[**माननीय सामयिक अध्यक्ष श्री कमलनाथ** *पीठासीन हुए*]

पूर्वाह्न 11.01 बजे

सदस्यों द्वारा शपथ ग्रहण — *जारी*

माननीय अध्यक्ष : महासचिव अब उन सदस्यों के नाम पुकारेंगे जिन्होंने शपथ ग्रहण अथवा प्रतिज्ञान नहीं किया है।

महासचिव : श्री नारामल्ली शिवप्रसाद।

आंध्र प्रदेश

श्री नारामल्ली शिवप्रसाद (चित्तूर)	शपथ	—	तेलुगु

बिहार

श्री राजीव प्रताप रूडी (सारण)	शपथ	—	हिन्दी
श्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल (भागलपुर)	शपथ	—	हिन्दी
श्री जयप्रकाश नारायण यादव (बांका)	शपथ	—	हिन्दी
श्री राम कृपाल यादव (पाटलीपुत्र)	शपथ	—	हिन्दी
श्रीमती रंजीत रंजन (सुपौल)	शपथ	—	मैथिली
श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव (मधेपुरा)	शपथ	—	मैथिली

झारखंड

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह)	शपथ	—	हिन्दी

कर्नाटक

श्री सी.एस. पुट्टाराजू (मांड्या)	शपथ	—	कन्नड़

पुदुचेरी

श्री आर. राधाकृष्णन (पुदुचेरी)	शपथ	—	तमिल

राजस्थान

श्री देवजी पटेल (जालौर)	शपथ	—	हिन्दी

उत्तर प्रदेश

डॉ. मुरली मनोहर जोशी (कानपुर)	शपथ	—	संस्कृत
श्री श्यामा चरण गुप्त (इलाहाबाद)	शपथ	—	हिन्दी
श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज)	शपथ	—	संस्कृत
श्री वीरेन्द्र सिंह (भदोही)	शपथ	—	संस्कृत

पूर्वाह्न 11.18 बजे

सामयिक अध्यक्ष द्वारा टिप्पणी

अध्यक्ष का निर्वाचन

[अनुवाद]

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यो, मुझे अध्यक्ष के निर्वाचन के लिए प्रस्तावों की 19 सूचनाएं प्राप्त हुईं हैं। 19 सूचनाओं में से 3 सूचनाएं, सूचनाओं को सभा पटल पर रखने के लिए नियत समय के पश्चात् प्राप्त हुईं। अत:, श्री मो. सलीम, डॉ. पी. वेणुगोपाल और श्रीमती अनुप्रिया सिंह पटेल द्वारा दी गई प्रस्ताव की सूचनाएं प्रक्रिया नियमों के नियम 7 के अनुसार कालातीत थीं।

अब हम लोक सभा के अध्यक्ष के निर्वाचन के लिए प्रस्तावों को लेंगे। मैं प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी को उनके नाम से दिए गए प्रस्ताव को पेश करने के लिए बुलाता हूं।

[हिन्दी]

प्रधानमंत्री (श्री नरेन्द्र मोदी) : महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं:

"कि श्रीमती सुमित्रा महाजन, जो इस सभा की सदस्य हैं, को इस सभा के अध्यक्ष के रूप में चुना जाए।"

श्री लाल कृष्ण आडवाणी (गांधीनगर) : महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं:

"कि श्रीमती सुमित्रा महाजन, जो इस सभा की सदस्य हैं, को इस सभा के अध्यक्ष के रूप में चुना जाए।"

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री, संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा जल संसाधन, नदी विकास और गंगा जीर्णोद्धार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संतोष कुमार गंगवार) : महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

विदेश मंत्री तथा प्रवासी भारतीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज) : अध्यक्ष जी, मैं प्रस्ताव करती हूं:

"कि श्रीमती सुमित्रा महाजन, जो इस सभा की सदस्य हैं, को इस सभा के अध्यक्ष के रूप में चुना जाए।"

श्री गिरिराज सिंह (नवादा) : महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

[अनुवाद]

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं:

"कि श्रीमती सुमित्रा महाजन, जो इस सभा की सदस्य हैं, को इस सभा का अध्यक्ष चुना जाए।"

[हिन्दी]

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री, विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (जनरल (सेवानिवृत्त) विजय कुमार सिंह) : महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

[अनुवाद]

डॉ. एम. तंबिदुरै (करुर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं:

"कि श्रीमती सुमित्रा महाजन, जो इस सभा की सदस्य हैं, को इस सभा का अध्यक्ष चुना जाए।"

[हिन्दी]

श्री चिराग कुमार पासवान (जमुई) : महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री (श्री अनन्त गंगाराम गीते) : महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं:

"कि श्रीमती सुमित्रा महाजन, जो इस सभा की सदस्य हैं, को इस सभा के अध्यक्ष के रूप में चुना जाए।"

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राज्य मंत्री, पृथ्वी-विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री, परमाणु ऊर्जा विभाग में राज्य मंत्री तथा अंतरिक्ष विभाग में राज्य मंत्री (डॉ. जितेन्द्र सिंह) : महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

[अनुवाद]

***श्री थोटा नरसिम्हम** (काकीनाड़ा) : मैं प्रस्ताव करता हूं:

"कि श्रीमती सुमित्रा महाजन, जो इस सभा की सदस्य हैं, को इस सभा का अध्यक्ष चुना जाए।"

---

*सभा पटल पर मूलत: तेलुगु में रखे गए भाषण के अंग्रेजी अनुवाद का हिन्दी रूपांतर।

[हिन्दी]

श्री सुमेधानंद सरस्वती (सीकर) : महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

[अनुवाद]

श्री मेकापति राज मोहन रेड्डी (नेल्लोर) : मैं प्रस्ताव करता हूं:

"कि श्रीमती सुमित्रा महाजन, जो इस सभा की सदस्य हैं, को इस सभा का अध्यक्ष चुना जाए।"

[हिन्दी]

श्री सी.आर. पाटिल (नवसारी) : महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

[अनुवाद]

श्री ए.पी. जितेन्द्र रेड्डी (महबूबनगर) : मैं प्रस्ताव करता हूं:

"कि श्रीमती सुमित्रा महाजन, जो इस सभा की सदस्य हैं, को इस सभा का अध्यक्ष चुना जाए।"

माननीय अध्यक्ष : श्री जे.एस. भाभोर – अनुपस्थित।

[हिन्दी]

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री राम विलास पासवान) : महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं:

"कि श्रीमती सुमित्रा महाजन, जो इस सभा की सदस्य हैं, को इस सभा के अध्यक्ष के रूप में चुना जाए।"

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मनोज सिन्हा) : महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

श्री मुलायम सिंह यादव (आजमगढ़) : महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं:

"कि श्रीमती सुमित्रा महाजन, जो इस सभा की सदस्य हैं, को इस सभा के अध्यक्ष के रूप में चुना जाए।"

श्री राजेश कुमार दिवाकर (हाथरस) : महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

[अनुवाद]

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री (श्रीमती हरसिमरत कौर बादल) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करती हूं:

"कि श्रीमती सुमित्रा महाजन, जो इस सभा की सदस्य हैं, को इस सभा का अध्यक्ष चुना जाए।"

[हिन्दी]

श्री सी.आर. चौधरी (नागौर) : महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

[अनुवाद]

श्रीमती सुप्रिया सुले (बारामती) : मैं प्रस्ताव करती हूं:

"कि श्रीमती सुमित्रा महाजन, जो इस सभा की सदस्य हैं, को इस सभा का अध्यक्ष चुना जाए।"

[हिन्दी]

श्रीमती संतोष अहलावत (झुन्झुनू) : महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करती हूं।

[अनुवाद]

श्री एच.डी. देवेगौड़ा (हसन) : अध्यक्षपीठ की अनुमति से, मैं प्रस्ताव करता हूं:

"कि श्रीमती सुमित्रा महाजन, जो इस सभा की सदस्य हैं, को इस सभा का अध्यक्ष चुना जाए।"

माननीय अध्यक्ष : श्री अनंत कुमार – अनुपस्थित।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री देवेगौड़ा द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए कोई नहीं है।

...(व्यवधान)

रेल मंत्री (श्री डी.वी. सदानंद गौड़ा) : महोदय, मैं श्री एच.डी. देवेगौड़ा द्वारा रखे गए प्रस्ताव के समर्थन का प्रस्ताव करता हूं।

माननीय अध्यक्ष : चूंकि, आपने पहले यह प्रस्ताव नहीं किया, अत: इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

श्री डी.वी. सदानंद गौड़ा : ठीक है, महोदय।

माननीय अध्यक्ष : अत: अब अगला प्रस्ताव करें।

श्री भर्तृहरि महताब (कटक) : महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं:

"कि श्रीमती सुमित्रा महाजन, जो इस सभा की सदस्य हैं, को इस सभा का अध्यक्ष चुना जाए।"

माननीय अध्यक्ष : श्री तथागत सत्पथी इस प्रस्ताव का समर्थन करेंगे — अनुपस्थित। इस प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए कोई नहीं है।

श्री सुदीप बन्दोपाध्याय (कोलकाता उत्तर) : महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं:

"कि श्रीमती सुमित्रा महाजन, जो इस सभा की सदस्य हैं, को इस सभा का अध्यक्ष चुना जाए।"

[हिन्दी]

श्री सुल्तान अहमद (उलुबेरिया) : महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

[अनुवाद]

माननीय अध्यक्ष : अब मैं श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तुत तथा श्री एल.के. आडवाणी द्वारा समर्थित प्रस्ताव को सभा के मतदान के लिए रखता हूं:—

प्रश्न यह है:

"कि श्रीमती सुमित्रा महाजन, जो इस सभा की सदस्य हैं, को इस सभा का अध्यक्ष चुना जाए।"

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

माननीय अध्यक्ष : प्रस्ताव स्वीकृत हो गया है और श्रीमती सुमित्रा महाजन को इस सभा का अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया जाता है। चूंकि, श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तुत किया गया पहला प्रस्ताव ही स्वीकार कर लिया गया है, अत: इसके पश्चात् प्रस्तुत किए गए प्रस्ताव स्वत: समाप्त हो गए हैं।

श्रीमती सुमित्रा महाजन को अध्यक्ष का आसन ग्रहण करने के लिए आमंत्रित करते हुए मुझे अपार वर्ष हो रहा है।

(श्रीमती सुमित्रा महाजन को सभा के नेता, श्री नरेन्द्र मोदी; श्री एम. वैंकैय्या नायडू; श्री मल्लिकार्जुन खड़गे; डॉ. एम. तंबिदुरै; श्री मुलायम सिंह यादव; श्री ए.पी. जितेन्द्र रेड्डी; श्री थोटा नरसिम्हम तथा कुछ अन्य पार्टियों और दलों के नेताओं द्वारा आसन तक ले जाया गया।)

पूर्वाह्न 11.28 बजे

[**श्रीमती सुमित्रा महाजन, माननीय अध्यक्ष,** *पीठासीन हुईं*]

पूर्वाह्न 11.30 बजे

माननीय सामयिक अध्यक्ष का अभिनंदन

[हिन्दी]

शहरी विकास मंत्री, आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री एम. वैंकैय्या नायडू) : अध्यक्ष जी, सदन की कार्यवाही आगे बढ़ाने से पहले सदन की तरफ से प्रोटेम स्पीकर श्री कमलनाथ जी को धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने सदन की दो दिन की कार्यवाही का निर्वहन किया है।

[अनुवाद]

मैं सम्पूर्ण सदन की ओर से आपका अभिनन्दन करता हूं।

माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं इस अवसर का लाभ उठाते हुए लोक सभा के महासचिव का भी अभिनन्दन करना चाहता हूं जिन्होंने सामयिक अध्यक्ष के मार्गदर्शन में एक दिन में 510 सदस्यों को पद का शपथ ग्रहण करवाने का रिकॉर्ड बनाया। *[हिन्दी]* 510 माननीय सदस्यों को एक ही दिन में शपथ ग्रहण करवाने का कार्य किया। वह वहां से हिले भी नहीं और एक मिनट के लिए भी बाहर नहीं गये। कल सभी का शपथ ग्रहण करवाया। इसी कारण से आज हम लोग जल्दी से हमारे इस काम को पूरा कर पाए हैं अन्यथा पहले हम लोग सोच रहे थे कि इसको एक दिन और बढ़ाना पड़ेगा लेकिन ऐसा अवसर नहीं आया। इसलिए हम सबकी ओर से हृदय से सैक्रेटरी जनरल का भी मैं अभिनंदन करना चाहता हूं। मैं इसको रिकॉर्ड पर लाना चाहता हूं।

पूर्वाह्न 11.32 बजे

माननीय अध्यक्ष को बधाई

[हिन्दी]

प्रधानमंत्री (श्री नरेन्द्र मोदी) : आदरणीय अध्यक्ष महोदया जी, मैं सदन के सभी दलों का और सभी सदस्यों का हृदय पूर्वक अभिनंदन करता हूं कि सदन की महान परम्परा के अनुसार सर्वसम्मति से अध्यक्ष महोदया का निर्वाचन हुआ है। हम सबके लिए यह गौरव का विषय है कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के इस मंदिर की व्यासपीठ पर एक महिला विराजित होकर, इसका पूरा संचालन करे, राष्ट्र की सामान्य मानविकी समस्याओं के लिए आपका मार्गदर्शन बहुत मूल्यवान रहेगा।

माननीय अध्यक्ष महोदया जी, इस सदन के लिए यह भी गर्व का विषय है कि आप इंदौर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के एक सामान्य सदस्य से लेकर कई दशकों तक सार्वजनिक जीवन में जनप्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हुए इस सदन में पहुंची हैं और आठ बार इस सदन की सदस्या बनकर आपका अनुभव इस सदन के सुचारू रूप से संचालन में बहुत ही उपकारक होने वाला हैं।

इस सोलहवीं लोक सभा में एक ऐसा अवसर हमें प्राप्त हुआ है कि जब पहली बार लोक सभा का गठन हुआ था, करीब-करीब वैसा ही एक अवसर हमें प्राप्त हुआ है कि जब देश में पहली लोक सभा का गठन हुआ, सभी सदस्य पहली बार आए थे। उसके बाद कई लम्बे अर्से के बाद एक ऐसे सदन का गठन हुआ है जिसमे करीब 315 सदस्य पहली बार चुनकर आए हैं। इसका तात्पर्य यह हुआ कि पुरानी कई परम्पराओं को छोड़कर, अच्छी नयी परम्पराओं का आरम्भ करते हुए, विश्व जिस लोकतंत्र के प्रति आशा की नज़र से देख रहा है, वैसा एक नया रूप विश्व के सामने प्रस्तुत करने का अवसर इस सदन को प्राप्त हुआ है। पुरानी महान परम्पराओं को आगे बढ़ाते हुए, यह जो नया रक्त आया है, नयी ऊर्जा आई है, वह अपने आप में विश्व के सामने एक सशक्त लोकतंत्र प्रस्तुत करने का एक अवसर इस सदन से बनेगा। यह लोकतंत्र का मंदिर नये सदस्यों के उत्साह और उमंग के कारण यह राष्ट्र के विकास की ऊर्जा का मंदिर भी बन सकता है। आपकी अध्यक्षता में, आपके मार्गदर्शन में, यह सदन अवश्य उस आशा और उन आकांक्षाओं की पूर्ति करने में सफल होगा। आपके नाम में ही गुण ऐसे हैं कि सबको मित्रता की अनुभूति होगी, सबको अपनेपन की अनुभूति होगी।

शास्त्रों में कहा गया है – महाजन येन गत: पंथा:। महाजन जिस राह पर चलते हैं, उस राह पर चलना अच्छा होता है और यहां तो महाजन स्वयं विराजित हैं। इस सदन के लिए उस रास्ते पर चलना और अधिक उचित होगा। मैं अपको बहुत शुभकामनाएं देता हूं और विश्वास दिलाता हूं कि आपकी आशा और अपेक्षाओं के अनुरूप ये पूरा सदन आपके कार्य में सहयोग करते हुए भारत की सामान्य मानविक अपेक्षाओं की पूर्ति में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। मैं फिर आपको एक बार बहुत शुभकामनाएं देता हूं और सभी दलों का हृदय से अभिनंदन करता हूं, धन्यवाद करता हूं जिनके समर्थन के कारण आज सर्वसम्मति से हम इस परंपरा को निभा पाए हैं।

[अनुवाद]

माननीय अध्यक्ष : श्री अर्जुन राम मेघवाल, श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश और श्रीमती जयश्रीबेन कनुभाई पटेल को माननीय प्रधानमंत्री के भाषण से संबंद्ध होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

[हिन्दी]

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) **:** मैडम स्पीकर, मैं अपनी तरफ से, अपनी पार्टी की ओर से और सारे सदन की तरफ से आपका हार्दिक अभिनंदन करता हूं। यह पहला अवसर है जब आपको इस उच्च पद पर बैठन का मौका मिला है। अभी माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा कि भारत एक बहुत बड़ा प्रजातांत्रिक देश है। इस देश में इस चुनाव में कम-से-कम 55 करोड़ मतदाताओं ने हिस्सा लिया है और आज उसका नतीजा बाहर आया है। हम इसका स्वागत करते हैं। हम आपका अभिनंदन इसलिए करते हैं कि आप एक कॉरपोरेटर की हैसियत से, वकील की हैसियत से और डिप्टी मेयर की हैसियत से काम करके यहां तक पहुंची हैं इसलिए यह बहुत बड़ा साधन है। मुझे एक ही बार इस सदन में आने का मौका मिला था और यह दूसरी बार है। आप आठ बार चुनकर आई हैं। मैंने नौ बार कर्नाटक में शासक के रूप में काम किया है लेकिन यह मौका मुझे नहीं मिला था। जब कभी भी मैं आपको यहां देखता था, आप दूसरे नंबर बैंच पर बैठती थीं और आप एक ही सदस्य ऐसी थीं जो हाउस के उठने तक बैठी रहती थीं। हम भी देखते रहते थे कि सात बार चुनकर आने के बाद भी एक सदस्या गंभीरता से इस सदन में बैठती हैं, सुनती हैं, बोलती हैं और उसका बहुत बड़ा असर हम पर भी हुआ। हम सुनते थे जब हम वहां बैठते थे, आप हमेशा हंसमुख रहती थी और कोई भी बात बहुत गंभीरता से करती थीं। अगर किसी पर टीका टिप्पणी भी करनी होती थी तो बड़ी गंभीरता के साथ करती थीं। आज लोकतंत्र में सभी की हिफाजत करना सबको खुश रखना तो नहीं होता लेकिन सब के हकों की रक्षा करने का आपको अवसर मिला है। चाहे छोटी पार्टियां हों, चाहे बड़ी पार्टियां हों, आपको सबको साथ लेकर चलना है। जैसा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा आप महाजन हैं लेकिन महाजन को लोकतंत्र के साथ जाना है। लोकतंत्र को साथ लेकर अगर महाजन गए तो सारे भारतवासियों के लिए ठीक होगा उनकी आवाज इस सदन में सुनी जाएगी। मैं ज्यादा कुछ नहीं कहते हुए एक ही बात आपके सामने रखना चाहता हूं:–

हयात लेकर चलो, कायनात लेकर चलो।
चलो तो सारे जमाने को साथ लेकर चलो।

चाहे छोटी पार्टियां हों या बड़ी पार्टियां हों, आप सभी को साथ लेकर चलिए। ऐसी आशा करते हुए एक बार फिर मैं अपनी ओर से और अपनी पार्टी की ओर से आपका अभिनंदन करता हूं।

[अनुवाद]

डॉ. एम. तंबिदुरै (करूर) **:** आदरणीय अध्यक्ष महोदया, मैं तमिलनाडु की मुख्य मंत्री और अपने दल के नेता तथा अपने दल ऑल

इंडिया अन्ना द्रमुक मुनेत्र कषगम की ओर से सोलहवीं लोक सभा के माननीय अध्यक्ष के रूप में सर्वसम्मति से आपके चुने जाने पर बधाई देता हूं, यह दूसरी बार है कि इस महान सदन की एक महिला सदस्या इस सभा की अध्यक्ष के रूप में चुनी गयी हैं।

अध्यक्ष महोदया, हमें खुशी है कि आपने सोलहवीं लोक सभा के माननीय अध्यक्ष के रूप में सम्मानजनक राजनीतिक भविष्य का दूसरा अध्याय शुरू किया है। यह आपके लिए कोई नया कार्यभार नहीं है क्योंकि आपने सभापति के रूप में मनोनीत किए जाने वाले एक सदस्य के रूप में अध्यक्षपीठ का आसन ग्रहण किया था। हमने इस सभा में यह देखा है कि आपने सभा का संचालन कितने प्रभावी ढंग से और ईमानदारीपूर्वक किया था। इसलिए हम आपकी कार्यक्षमता के बारे में जानते हैं और आप इस आसन को ग्रहण करने के लिए उपयुक्त व्यक्ति हैं।

महोदया, सभा के संचालन के लिए हमारे पास नियम और विनियम हैं। वे नियम आवश्यक हैं। साथ ही, हमें सदस्यों की भावनाओं का सम्मान करना है। उन्हें लोगों ने चुना है और लोगों ने उनके निर्वाचन क्षेत्रों में व्याप्त स्थितियों के बारे में अपनी शिकायत और विचार व्यक्त करने के लिए उन्हें यहां भेजा है। इसलिए नियमों और विनियमों का पालन करते समय आपको यह भी देखना होता है कि आप एक विशेष सीमा तक ही उनका प्रयोग कर सकते हैं।

एक बार इस सभा के एक प्रख्यात अध्यक्ष से जब पूछा गया कि एक अच्छा अध्यक्ष कहलाए जाने के लिए उन्होंने सभा का किस तरह सुचारू संचालन किया, उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि वे सभा के विनियम के बारे में नहीं जानते थे। इसलिए आपको सदस्यों की भावनाओं को समझते हुए अंत:करण से सभा का संचालन करना होता है। यह अधिक महत्वपूर्ण है। मैं आश्वस्त हूं कि आप यह जानती हैं और चूंकि आपको इसमें अनुभव प्राप्त है, आप सभी सदस्यों को सभा में उन्हें अपनी शिकायतें, अपने विचार और अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में मदद करेंगी।

महोदया, इस अवसर पर मैं इस देश की महिलाओं को लोगों के कल्याण हेतु उनकी महान सेवा के लिए हार्दिक रूप से आभार व्यक्त करता हूं। यहां मैं महिलाओं द्वारा किए गए महान योगदान का पुन: स्मरण कराना चाहता हूं जो देश के शीर्ष संवैधानिक पदों पर आसीन हैं।

अध्यक्ष महोदया, वर्तमान में हमारे पास तमिलनाडु की मुख्य मंत्री सहित देश में चार महिला मुख्य मंत्री हैं। मैं यह बात कार्यवाही-वृत्तांत में शामिल करना चाहता हूं कि राष्ट्र और तमिलनाडु राज्य के प्रति उनके योगदान और उनके द्वारा लागू किए गए कल्याणकारी कार्यक्रमों के कारण राज्य में 39 लोक सभा सीटों में से 37 सीटें हमने जीतीं। यह स्त्रीत्व की महानता है। मैं कहना चाहता हूं कि महिला राष्ट्र में किस प्रकार योगदान दे रही हैं और यह सुनिश्चित कर रही हैं कि लोग जीतें और संसद में आए। महोदया, आप इस तरह कई कार्य कर सकती हैं।

एक बार फिर, मैं अपने दल अन्ना-द्रमुक की ओर से आपको आश्वस्त करता हूं कि इस सभा की मर्यादा और व्यवस्था को बनाए रखने में आपका पूर्ण सहयोग करूंगा और मैं आपको लोक सभा के माननीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने पर बधाई देता हूं।

श्री सुदीप बंदोपाध्याय (कोलकाता उत्तर) : महोदया, हम तृणमूल कांग्रेस और अपनी पार्टी की अध्यक्षा, मुख्य मंत्री सुश्री ममता बनर्जी की ओर से आपको बधाई देते हैं।

महोदया, हम आज की कार्य-सूची में 17वें क्रम पर सूचीबद्ध हैं। इसका यह अर्थ हुआ कि अंत भला तो सब भला। तृणमूल कांग्रेस 17वें क्रम पर है। इसका अर्थ है कि सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा है और हमारे अनुमान के अनुसार सब कुछ सुचारू रूप से सपंन्न हो जाएगा।

महोदया, आपसे पहले एक दूसरी महिला अध्यक्ष, मीरा कुमार जी थीं, मैं उनका नाम यहां अवश्य उल्लेख करना चाहूंगा क्योंकि उन्होंने भी सभा को अच्छे ढंग से चलाया। आपकी उपस्थिति, आपका प्रतिनिधित्व आपकी सदाबहार मुस्कान ने इसे पहले से ही यह आभास कराना शुरू कर दिया है कि आप संसदीय लोकतंत्र के इस मूल दर्शन को स्वीकार करेंगी कि सभा में प्रतिपक्ष का योगदान होता है।

सत्तारूढ़ सदस्यों की अधिक संख्या के कारण आपको यह महसूस नहीं करना चाहिए कि प्रतिपक्ष छोटा होता है। सत्तारूढ़ सदस्यों की संख्या अधिक होने के कारण उन्हें यह नहीं समझ लेना चाहिए कि अल्प बहुमत वाले प्रतिपक्ष को हलके में लिया जा सकता है। मैं इस बात को लेकर बिल्कुल आश्वस्त हूं और मैं यह प्रयास करूंगा और ध्यान रखूंगा कि यह सभा प्रतिपक्ष के सम्मान को अक्षुण्ण रखते हुए सुचारू रूप से चले। जैसाकि श्री मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि सभी पदों, चाहे वे छोटे हों या बड़े, को उचित न्याय मिलना चाहिए।

महोदया, आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि पश्चिम बंगाल में 42 लोक सभा की सीटों में से हमने 34 सीटें जीती हैं। उनमें से इस बार लोक सभा में एक-तिहाई सीटों पर महिला संसद सदस्य जीतकर आईं हैं।

संसद में एक-तिहाई महिलाओं का आरक्षण अनेक राजनीतिक दलों की चिर-प्रतीक्षित मांग है। हम यहां हैं, परन्तु हम ऐसा करने में सफल नहीं हो पाए हैं। लेकिन, इस संसदीय चुनाव में हमारी नेता, कुमारी ममता बनर्जी ने यह कर दिखाया और सदस्यों में से महिला 11 सदस्य हैं। इस प्रकार, हमने इस हद तक सफलता पाई है। स्वभाविक रूप से, हम

सर्वसम्मत अध्यक्ष के रूप में आपके कार्य भार का स्वागत करते हैं। हम इस अध्यक्ष-पीठ पर आपके आसीन होने पर आपका स्वागत करते हैं।

श्री भर्तृहरि महताब (कटक) : वयोवृद्ध सांसद के रूप में आपने इस देश में नाम और ख्याति अर्जित की है। यह भी सत्य ही कहा गया है कि आपने एक उद्योगपति के रूप में अपना करिअर प्रारंभ किया था, फिर आप उप-महापौर बनीं; और एक ही संसदीय क्षेत्र से आप आठ बार निर्वाचित हो चुकी हैं, तथा मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री रही हैं, फिर आप विपक्ष में बैठीं और अत्यन्त महत्वपूर्ण ग्रामीण विकास संबंधी स्थायी समिति की अध्यक्षता भी की जिसने भूमि अधिग्रहण के संबंध में इस देश को एक अच्छा प्रतिवेदन दिया।

मुझे आशा है कि आपके मार्गदर्शन में यह सदन बहुत उपयोगी सिद्ध होगा – चाहे सत्ता पक्ष बड़ा हो, चाहे विपक्ष बिखरा हुआ हो, परन्तु जैसा कि इस सदन में कई बार कहा जा चुका है, सत्ता पक्ष मजबूत रहेगा, इसमें कोई संदेह नहीं है, परन्तु विपक्ष को भी अपनी बात रखने की अनुमति होनी चाहिए।

एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व अहिल्या बाई होल्कर की प्रतिमा की स्थापना में आपने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। परन्तु पुस्तकालय परिसर में जाने वाले लोगों में से शायद ही कोई इन्हें पहचानता है क्योंकि इन्हें बहुत सारे शीशों से ढक दिया गया है; मैंने बहुत से लोगों को यह कहते हुए सुना है कि यह किसकी प्रतिमा है? मेरा विचार है कि आपके नेतृत्व में इस प्रतिमा को उस बंद स्थान से हटाकर आंगन में खुले स्थान पर स्थापित किए जाने की आवश्यकता है।

मुझे प्रसन्नता है कि इंदौर का नाम कई वर्षों तक इतिहास में दर्ज रहा है – चाहे राजा भर्तृहरि का काल हो, चाहे राजा विक्रमादित्य का काल हो, या फिर अहिल्या बाई होल्कर का काल हो, भारत एक था और राष्ट्र हित में यह सदन भी एक ही रहेगा। इस सदन में ओडिशा के 21 सदस्यों में से श्री नवीन पटनायक के नेतृत्व वाले बीजू जनता दल के 20 सदस्य हैं। आपके नेतृत्व और मार्गदर्शन में हम बड़ी चुनौतियों का सामना करने और उनसे पार पाने की आशा रखते हैं।

एकमात्र चीज जो आपका मार्गदर्शन करेगी, वह है लोक सभा के प्रथम अध्यक्ष, श्री मावलंकर का चित्र। एक बात निश्चित है कि परिवर्तन होते हैं, परन्तु इस विश्व में परिवर्तन निश्चित ही होता है। मैं आशा करता हूं कि इस परिवर्तन के साथ बहुत सी नई चीजें आएंगी और इस परिवर्तन के साथ सम्पन्नता आएगी।

इन्हीं शब्दों के साथ, मैं अपनी बात समाप्त करता हूं, मैं सदन की कार्यवाही के व्यवधानरहित संचालन के लिए अपनी पार्टी बीजू जनता दल का आपको पूर्ण सहयोग समर्पित करता हूं।

[हिन्दी]

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री (श्री अनन्त गंगाराम गीते) : अध्यक्षा जी, मैं अपनी ओर से, अपनी पार्टी की ओर से और अपनी पार्टी के प्रमुख, उद्धव ठाकरे जी की ओर से आपका अभिनंदन करता हूं। आपका अभिनंदन करते हुए मैं सन् 1989 की एक बात को याद करना चाहूंगा। आप सन् 1989 में पहली बार जीत कर संसद में आई थीं। उसी समय आपके भाई मधु साठे मुंबई से लोक सभा का चुनाव लड़ रहे थे। आप लोक सभा के चुनाव में जीत गई थीं और वे हार गए थे। राजयोग आपके नसीब में था और है। आज आप राजयोग के शिखर पर यहां विराजमान हो गई हैं।

मैंने संदर्भ के लिए उस घटना को याद किया है। आपके पास बहुत लम्बा अनुभव है। आप इस सदन के सभापति पैनल में रही हैं। आपने अपने लोक सभा के आठ बार के लम्बे कार्यकाल में कई लोक सभा अध्यक्षों को अनुभव किया है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारी लोक सभा की जो गरिमा है, लोकतंत्र की जो गरिमा है, आप उस गरिमा को बनाये रखेंगी, बल्कि आपके कार्यकाल में लोक सभा की गरिमा और बढ़ेगी। मैं ऐसी उम्मीद यहां पर करता हूं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपके पूरे कार्यकाल में सदन को सुचारू रूप से चलाने के लिए शिव सेना की ओर से आपको पूरी तरह सहयोग मिलेगा।

[अनुवाद]

नागर विमानन मंत्री (श्री अशोक गजपति राजू) : अध्यक्ष महोदया, हमें आपको अध्यक्ष की कुर्सी पर देखकर प्रसन्नता हो रही है और हम आपको बधाई देते हैं। हमारा लोकतंत्र विश्व में सबसे बड़ा है और इस सदन को चलाने और देश में लोकतंत्र को जीवन्त बनाने के लिए आपको हम सबके पूर्ण सहयोग की आवश्यकता है। यह हम सबका उत्तरदायित्व है, फिर चाहे हम विपक्ष में हों या पक्ष में, मुझे विश्वास है कि आप हमें सच्चे लोकतंत्रवादियों की तरह आचरण करने के लिए प्रेरित करेंगी। हम अपने दल की ओर से आपको बधाई देते हैं और आपसे सार्थक कार्यकाल की आशा करते हैं जो आपको अमर कर दे। मावलंकर जी का नाम भारतीय लोकतंत्र में न तो भुलाया गया है और न ही भुलाया जा सकता है। महोदया, हमें आशा है कि आपका नाम उस ऊंचाई तक पहुंचेगा और हम सबको आप पर गर्व होगा। हम आपको शुभकामनाएं देते हैं और इस सदन में आपके साथ काम करने की इच्छा रखते हैं।

श्री पी. करुणाकरन (कासरगौड़) : धन्यवाद, महोदया। सर्वप्रथम, मैं अपनी पार्टी भा.क.पा. (मा.) की ओर से, 16वीं लोक सभा की अध्यक्ष निर्वाचित होने पर आपको बधाई देता हूं। सर्वसम्मत निर्वाचन का भारी दबाव होता है। मेरा विचार है कि यह इस सत्र के प्रारंभ में ही एक नया अध्याय खोलता है। महोदया, यह सच है कि अध्यक्ष का स्थान या आसन

न केवल दबाव डालने वाला है बल्कि बहुत बार तनाव और दर्द भी देता है। आप उसका अनुभव कर चुकी हैं। मुझे विश्वास है कि ऐसी विपरीत परिस्थितियों को सुखद स्थितियों में बदला जा सकता है क्योंकि यह सब अध्यक्ष की क्षमता और दृष्टिकोण पर निर्भर करता है। महोदया, 14वीं और 15वीं लोक सभा का सदस्य होने के कारण, एक महान सांसद के रूप में आपकी क्षमता और योग्यता को देखने का अवसर मुझे मिला। आपने बहुत बार अध्यक्ष के आसन को संभाला और कठिन परिस्थितियों में, चिल्लाकर नहीं बल्कि मधुर वाणी बोलकर और खुशनुमा माहौल बनाकर आप सदन को नियंत्रित करने में समर्थ रहीं। सरकार को सदन में बहुमत मिला है और इसीलिए उन्हें किसी सहायता की आवश्यकता नहीं है परन्तु सदन में मौजूद विपक्ष और छोटे दलों को अपकी सुरक्षा और सहायता की आवश्यकता है। जैसा कि किसी महान व्यक्ति ने कहा है, "ये महत्वपूर्ण नहीं है कि बहुसंख्यक क्या सोचते हैं बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि अल्पसंख्यक लोग बहुसंख्यक लोगों के निर्णय के बारे में क्या सोचते हैं।" मेरा विचार है कि पूर्ण बहुमत हासिल करने के उपरांत, शायद सरकार इस प्रकार से सोचे। मुझे वास्तव में खुशी है कि आप सर्वसम्मति से सदन की अध्यक्ष चुनी गई हैं।

श्री मेकापति राज मोहन रेड्डी (नेल्लोर) : अध्यक्ष महोदया, मैं अपनी पार्टी, अपने नेता श्री जगन मोहन रेड्डी तथा स्वयं अपनी ओर से सदन के अध्यक्ष के रूप में आपका सर्वसम्मति से निर्वाचन होने पर हार्दिक रूप से आपको शुभकामनाएं देता हूं।

महोदया, मुझे पूर्ण विश्वास है कि संसद सदस्य के रूप में तथा भारत सरकार के मंत्री के रूप में लम्बे अनुभव तथा अपनी उदात्त सौम्यता और सहनशीलता के बल पर आप इस सदन को अत्यन्त प्रभावी तरीके से, कुशलतापूर्वक तथा गैर-पक्षपातपूर्ण तरीके से चलाने में समर्थ होंगी। किसी भी लोकतंत्र में, विरोधी की आवाज भी सुनी जानी चाहिए और हमेशा इसकी रक्षा की जानी चाहिए। मुझे उम्मीद है कि आप निश्चित रूप से ऐसा करने में समर्थ होंगी।

अन्त में, अपनी पार्टी के सदस्यों की ओर से तथा स्वयं अपनी ओर से, मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि इस सदन को चलाने तथा सदन की गरिमा और मर्यादा को बनाए रखने में हम अपना पूर्ण सहयोग देंगे।

[हिन्दी]

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री राम विलास पासवान) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपको सर्वप्रथम अपनी पार्टी, लोक जनशक्ति पार्टी की ओर से तथा सरकार की ओर से बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं कि आप देश की सर्वोच्च सत्ता के अध्यक्ष पद पर आसीन हुई हैं।

महोदया, मैं यहां 1977 से हूं और मैंने सदन की कार्यवाही को देखा है। सदन की कार्यवाही में एक तरफ जन-भावना है, लोगों की समस्या है और दूसरी तरफ चेयर की मर्यादा और सदन की मर्यादा का सवाल उठता है और दोनों को मिलकर चेयर को चलना पड़ता है। माननीय सदस्य जानते हैं कि बहुत सी बातें सदन में नहीं उठनी चाहिए, लेकिन फिर भी वे उठाते हैं। इसलिए उठाते हैं कि इस देश में गरीबी है, भुखमरी है, बेरोज़गारी है, बदहाली है, और ऐसे में वहां की जो समस्या है, उसके लिए वहां के लोग एक्सपैक्ट करते हैं कि इन समस्याओं को हमारे सांसद सदन में उठाएंगे। उनको नहीं मालूम है कि क्या काम मुखिया का है, वे इस बात को रियलाइज़ नहीं करते हैं कि क्या काम एम.एल.ए. का है। वे उम्मीद करते हैं कि हमारी जो समस्या है, वह संसद के सदस्य सदन में जरूर रखेंगे। लेकिन संसद का अपना कानून है, वह अपने कानून के मुताबिक चलता है और चेयर को उसमें बैलैन्स करना पड़ता है। एक तरफ जनभावना है तो दूसरी तरफ रूल-रेगुलेशन्स हैं। एक कहावत है — एक्ट, फैक्ट और टैक्ट। एक्ट अलग है, पार्लियामेंट का कानून अलग है। फैक्ट अलग होते हैं, जो जनता के होते हैं, और चेयर को टैक्टफुली सदन को चलाना पड़ता है। मैं समझता हूं कि जो आपका नेचर है, जो आपका स्वभाव है — हमेशा मुस्कुराते रहना, किसी को कभी ऊंची आवाज़ में नहीं बोलना, सब लोगों के लिए आप आदर्श हैं। आप चेयर के ऊपर विराजमान हैं। हमें पूरा विश्वास है कि आपके नेतृत्व में सदन की गरिमा आगे बढ़ेगी। हमें पूरा विश्वास है कि जो पावर-टु-द-पूअर की बात है कि गरीब का राज कैसे देश में कायम हो, कैसे आम आदमी का जीवन सुखमय हो, इस दिशा में जो भी कदम सदन में आएगा, आप उसको सदन की चेयर की हैसियत से प्रोत्साहित करने का कष्ट करेंगी।

मैं एक बार फिर कहना चाहता हूं और मुझे पूरा विश्वास है कि आपके नेतृत्व में जो हमारा लोकतंत्र है, यही वह लोकतंत्र है जिसमें राम विलास पासवान जैसा एक दलित का बेटा भी देश का मंत्री बन जाता है। अगर लोकतंत्र नहीं रहता तो हम कभी सोच भी नहीं सकते और गांवों में जाकर अछूत बने रहते। यह लोकतंत्र की मर्यादा है, लोकतंत्र की देन है और हम सब लोगों का दायित्व है कि इस लोकतंत्र की जड़ें जो नीचे गई हैं, और अधिक से अधिक इन जड़ों को इतनी दूरी तक ले जाएं कि कभी कोई उसको उखाड़ नहीं पाए।

श्री तारिक अनवर (कटिहार) : अध्यक्ष महोदया, मैं सबसे पहले अपनी ओर से और अपनी पार्टी एनसीपी की ओर से आपका हार्दिक स्वागत करता हूं और बधाई देता हूं। अभी प्रधानमंत्री जी ने, कांग्रेस के नेता ने तथा तमाम दलों के नेताओं ने आपके प्रति जो भावना रखी है, उससे अपने आपको जोड़ते हुए मैं यह विश्वास करता हूं कि आपकी अध्यक्षता में सदन की मर्यादा और सदन की परंपरा बनी रहेगी।

महोदया, आपने अपना राजनीतिक जीवन एक ज़मीनी कार्यकर्त्ता से शुरू किया है और यहां सदन में सर्वोच्च स्थान को प्राप्त किया है। मैं

समझता हूं कि आपका इतना लंबा अनुभव है और इस सदन में आप आठवीं बार चुनकर आई हैं। सदन के बारे में आपको कुछ बताना, मैं समझता हूं कि उसकी कोई आवश्यकता नहीं है। उस अनुभव का लाभ आप उठाएंगी और तमाम पक्षों को एक साथ लेकर, विश्वास में लेकर जो हमारे इस सदन की परंपरा रही है, उसके अनुसार सबको अवसर मिलेगा और आने वाले समय में इस सदन से जो हम इस देश की जनता की सेवा करना चाहते हैं, उसको आपकी अध्यक्षता में मज़बूती मिलेगी। अंत में फिर एक बार हम आपका अभिनंदन और स्वागत करते हैं।

मध्याह्न 12.00 बजे

श्री मुलायम सिंह यादव (आजमगढ़) : अध्यक्ष जी, सर्वसम्मति से इस पद पर आप चुनी गई हैं। इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

महोदया, यह सही है कि जहां आप बैठी हैं, वहां से सदन को चलाना बहुत कठिन होता है। सभी को खुश करना, सबकी समस्याएं सुनना, सब को संतुष्ट करना, यह आपका उत्तरदायित्व है। लेकिन सभी को खुश करना आपके लिए भी कठिन है, मुश्किल है। यह पद जहां सम्मानजनक है, वहीं कठिनाई भी आपके सामने बहुत बड़ी है। मैं ज्यादा नहीं कहूंगा क्योंकि हमारे साथियों ने कह दिया है, लेकिन यह ध्यान रखना कि सरकार कोई भी हो, चाहे हमारे दल की भी हो, वह थोड़ा तानाशाही करती है और विपक्ष को कुचलने को कोशिश करती है। इस संबंध में जरूर मेरा आग्रह है, प्रार्थना है कि आपको विपक्ष को संरक्षण देना बहुत जरूरी है। इन्हीं शब्दों के साथ पुन: आपको बधाई और मेरी कामना है कि आप इस सदन को चलाने में सफल बनें।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव (मधेपुरा) : महोदया, सबसे पहले मैं अपने दल राजद की तरफ से आपका अभिवादन करता हूं। आप एक ऐसे राजनीतिक व्यक्तित्व के रूप में इस पद पर बैठी हैं, जहां निचले स्तर से एक जरूरतमंद इंसान, अभावग्रस्त इंसान को बहुत नजदीक से समझते हुए, आम आदमी के दर्द को समझते हुए इस शिखर पर, आप सबसे उच्च चेयर पर विराजमान हुई हैं। मैं चाहता हूं कि कांग्रेस और यूपीए की सोच और विचारों ने जिस तरह से महिला सशक्तिकरण को देखते हुए सर्वप्रथम महिला के रूप में श्रीमती मीरा कुमार जी को इस चेयर पर बैठने का गौरव प्राप्त हुआ था, बीजेपी की सरकार ने उस निर्णय को बहुत मजबूती के साथ इस चेयर पर एक ऐसे व्यक्तित्व को विराजमान किया है, जो आम आदमी के दर्द को समझता है। मैं आपका पुन: एक बार हृदय से इस सदन की मर्यादा और इस सदन के जो उच्च मापदंड हैं, मूल्य हैं, उनकी रक्षा करते हुए हम छोटे दलों के जो सांसद हैं, उनकी जरूरत को समझने की जरूर कोशिश करेंगी। यह बात सही है कि बाहर बहुत आलोचनाएं होती हैं। जब आंध्र के सवाल पर मिर्ची फेंकी गई थी, तब बहुत आलोचना हुई थी। आलोचना करने वाले वही लोग हैं, जो अपेक्षा रखते हैं कि हमारा सांसद क्षेत्र के बारे में, अपने राज्य के बारे में कुछ करे। यदि सांसद ऐसा नहीं करके जाते हैं तो यह सवाल सदन में उठता है और संसदीय क्षेत्र में भी उठाया जाता है। जैसा रामविलास पासवान जी ने कहा है, निश्चित रूप से यह बहुत ही आवश्यक है एक आम आदमी एक सांसद के रूप में।

अंत में, मैं यह जरूर कहूंगा, प्रधानमंत्री जी ने एक बात कही है कि आजादी के बाद दूसरी बार ऐसा मौका आया है कि सदन में 314 नये सांसद आए हैं। निश्चित रूप से थोड़ा सा फर्क है, तब जब आए थे तो आजादी का वक्त था। विचारधारा गांधी की थी, विचारधारा अम्बेडकर की थी, विचारधारा देश को सशक्त रूप से दुनिया में ले जाने की थी, लेकिन आज जो लोग आए हैं, आजादी के 66 साल बाद जब पूरी दुनिया हिन्दुस्तान का लौहा मानती हो और अपना नत मस्तक करती हो, तब हम 314 नये सांसद आए हैं। देश को साम्प्रदायिक सौहार्द के रूप में जाना जाता है, तब हम आए हैं। नये सांसदों की संख्या जो आज ज्यादा है, उसमें आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई की विचारधारा ज्यादा है, इसको मानने वाले लोगों की संख्या ज्यादा है। इसको मानना होगा कि तब गांधी और अम्बेडकर की विचारधारा थी, आज नरेन्द्र मोदी जी को मानने वाले लोगों की संख्या उधर ज्यादा है। इस बात के लिए वह निश्चित रूप से धन्यवाद के पात्र हैं, लेकिन फर्क है, गांधी और आज में फर्क है।

[अनुवाद]

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री (श्रीमती हरसिमरत कौर बादल) : माननीय अध्यक्ष महोदया, अपनी पार्टी शिरोमणी अकाली दल और अपने मुख्यमंत्री, श्री प्रकाश सिंह बादल की ओर से, मैं अध्यक्ष के रूप में आपकी नियुक्ति पर आपको बहुत-बहुत बधाई देती हूं।

महोदया, एक महिला संसद सदस्य के रूप में मेरे लिए बड़े गर्व की बात है कि आज इस सभा द्वारा सबसे लंबे समय से सेवारत महिला संसद सदस्य को इस सम्माननीय पद के लिए एकमत से चुना गया। जैसा कि आप जानती ही हैं कि आज सांसदों की एक विशाल संख्या में महिला सदस्यों की संख्या केवल 61 ही है। इनमें से कई सदस्य पहली बार लोक सभा में चुनकर आयी हैं, देश की महिलाओं से संबंधित मुद्दों को उठाने में इन अल्पसंख्यक महिला सांसदों को जो हमारे राष्ट्र की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं, को प्रदान करने में हम आपसे प्रोत्साहन और सुरक्षा की आशा करते हैं। मुझे आशा है कि यहां मेरी सहयोगी महिला सांसदों को उन मुद्दों को उठाने का अवसर प्राप्त होगा जिसकी उम्मीद हमारे देश की महिलाएं उनसे कर रहीं हैं।

इसलिए, एक महिला अध्यक्ष के नाते मुझे विश्वास है कि आप हमें प्रोत्साहन और अपना संरक्षण प्रदान करेंगी। मैं आपको आश्वस्त करती हूं कि इस सदन को सुचारू तरीके से चलाने में हम हर प्रकार से आपका सहयोग करेंगी ताकि यह सोलहवीं लोक सभा के इतिहास में सबसे रचनात्मक, प्रगतिशील और प्रभावी लोक सभा के रूप में दर्ज हो।

[हिन्दी]

श्री धर्म वीर गांधी (पटियाला) : मैडम, मैं अपनी तरफ से, अपने सदस्यगण की तरफ से और पार्टी की तरफ से आपका इस उच्च पद पर आसीन होने पर और जिस तरह आपका चयन सर्वसम्मति से हुआ है, आपका अभिनंदन करता हूं आपको शुभकामनाएं देता हूं।

इस से पहले कि हम आपसे क्या अपेक्षाएं करते हैं, मैं आपको यकीन दिलाता हूं कि हमारी पार्टी, इसके सभी सदस्यगण, आपको इस सदन को सुचारू रूप से चलाने के लिए पूरा सहयोग करेंगे, हर तरीके से आपको सहयोग देंगे। हम आप से अपेक्षा करते हैं कि आप सभी छोटे दलों को, यहां तक कि इंडीविडुअल मेम्बर्स को भी, उन्हें जो स्थान बनता है, जो समय बनता है, उसमें पूरा हिसाब करेंगे।

[अनुवाद]

श्री ए.पी. जितेन्द्र रेड्डी (महबूबनगर) : आदरणीय अध्यक्ष महोदया, अपने नेता और तेलंगाना राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री, तेलंगाना के संसद सदस्यों और तेलंगाना के लोगों की ओर से, मैं आपको इस सदन की दूसरी महिला अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई देता हूं।

महोदया, जैसा कि आप जानती हैं कि हमारा राज्य नव गठित राज्य है। यह केवल पांच दिन पुराना ही राज्य है। आप हमारी हर तरह से मदद करें और देखें कि हमारा राज्य आपकी संतान की तरह उन्नति करे। मैं आपको 1999 से जानता हूं। हम सदा आपको 'दीदी' कहा करते थे किन्तु अब तो हम आपको 'अध्यक्ष महोदया' पुकारेंगे। हमें विश्वास है कि आप हमें बोलने के पर्याप्त अवसर प्रदान करेंगी क्योंकि हम इस सदन में यहां नये हैं। तेलंगाना के 17 संसद सदस्यों में से 11 सदस्य टीआरएस पार्टी से चुन कर आए हैं। तेलंगाना के लोगों ने हमें तेलंगाना के पुनर्निर्माण के लिए यहां भेजा है। हमें पूर्ण आशा है कि आप हमें बोलने का अवसर प्रदान करेंगी ताकि हम इस सरकार और सदन को आपनी समस्याओं के बारे में बेहतर तरीके से बता सकें।

हमारी पार्टी आपके साथ सहयोग करेगी और आपके साथ खड़ी रहेगी।

[हिन्दी]

श्री बदरुद्दीन अजमल (धुबरी) : मैडम, मैं सबसे पहले आपको अपनी पार्टी यूडीएफ की तरफ से, जो असम से है, आपको वेलकम करता हूं। मैं प्रधानमंत्री जी को भी उनकी पूरी टीम के साथ वेलकम करता हूं। मैं याद दिलाना चाहता हूं कि उन्होंने बार-बार कहा था कि अच्छे दिन आने वाले हैं। मैं समझता हूं कि जरूर हम जैसी छोटी-छोटी पार्टियों के भी अच्छे दिन आएंगे।

मैडम, आप एक अच्छी मां के रूप में हैं। गुजिश्ता मर्तबा भी मैं था, आप ने कई मर्तबा उसी जगह से बड़े प्यार से बात किया। हमारे असम के लिए सबसे बड़ी समस्या फ्लड और इरोज़न है। मैं समझता हूं कि प्राइम मिनिस्टर साहब भी इसको नोट करेंगे। हमारी पार्टी हर अच्छे काम में आप जो चाहेंगे, जैसे चाहेंगे हम आपके सपोर्ट में हैं, इसका मैं आपको आश्वासन देता हूं।

कुमारी महबूबा मुफ्ती (अनंतनाग) : मैडम स्पीकर, मैं अपनी और अपनी जमात की तरफ से आपको मुबारकबाद देना चाहती हूं। खासकर जब हमने आपके बारे में बिलखुसुस यह सुना कि आप बहुत ही जमीनी लेवल से उठ कर वहां पहुंची हैं, इसके लिए मैं दोबारा आपको सलाम करती हूं, क्योंकि बहुत कम ऐसा होता है। दूसरी बात यह है कि मीरा कुमार जी के बाद आप दोबारा लेडी यहां आ गईं, इसकी भी हमें खुशी है और शायद इस वजह से ज्यादा है कि एक औरत, जो एक लेडी है वह ज्यादा सेंसटिव होती है। वे पुरुष की अपेक्षा अधिक समावेशी है। यह पुरुषों के प्रति कोई विद्वेष नहीं है।

मैं उम्मीद करती हूं कि जैसे यहां कई अपोजिशन के लीडर्स ने भी कहा कि हमें नम्बर्स के हिसाब से तोला नहीं जाएगा, क्योंकि हम जहां से चुन कर आए हैं, जम्मू और कश्मीर की स्टेट, वहां सिर्फ छह मेम्बर्स हैं। मगर जिन हालात में बिलखुसुस कश्मीर से जिस तरह, जिन लोगों ने हमें चुना है, जिन हालात में चुना है, कई लोगों की जानें गईं, कई किस्म के ख़िदमत उनको उठाने पड़े। उनको यह उम्मीद है कि इस पार्लियामेंट में, जिसका मेरा ख्याल में 20-30 साल के बाद आपको एक डिसाइसिव मेंडेट मिला है। जैसे वज़ीरेआज़म साहब ने फरमाया कि 315 लोग नये चुन कर आए हैं। एक नया हुबाब है, एक नया जोश है। इस पार्लियामेंट से हमारे लोगों को बहुत उम्मीदें हैं, खासकर जवानों को, जिन्होंने गोलियों का मुकाबला किया, हर चीज का मुकाबला किया। हमारी बच्चियों को, जिन्होंने बहुत ही खतरनाक हालात से निकल कर वोट डाले हैं। उनको ये उम्मीद है, जैसे वज़ीरेआज़म साहब ने फरमाया है, वाजपेयी जी ने जम्मू और कश्मीर की समस्या, जिसने 60 साल से इस मुल्क को बांधे रखा है। हर वज़ीरेआज़म का वह चेलैंज रहा है। उन्होंने बहुत अच्छा नुस्खा बताया था, अंदरूनी, कि जम्मू और कश्मीर की समस्या का समाधान इंसानियत के दायरे में करेंगे। आप दोस्त बदल सकते हैं, नेबर नहीं बदल सकते। मुझे खुशी है कि वज़ीरेआज़म साहब ने उसकी एक शुरूआत की है।

मैं उम्मीद करती हूं कि हमारे नम्बर को आप न देखें। हमारी जो दिक्कतें और मुश्किलाते हैं, शायद पूरे मूल्क से ज्यादा हैं। हमें अपने लोगों की नुमाइंदगी करने का पूरा मौका मिलेगा और उनका दु:ख आप लोगों के साथ बांट कर, ताकि इस हाउस से हमारी हर मुश्किल का, कश्मीर का मुद्दा और कश्मीर के मुद्दे का यहां से समाधान मिले।

मैं दोबारा आपको एक बार फिर से मुबारकबाद देना चाहती हूं।

محترمہ محبوبہ مفتی (اننت ناگ): محترمہ اسپیکر صاحبہ، میں اپنی اور اپنی جماعت کی طرف سے آپ کو مبارکباد دینا چاہتی ہوں۔ خاص کر ہم نے آپ کے بارے میں یہ سنا کہ آپ بہت ہی زمینی سطح سے اٹھ کر یہاں تک پہنچی ہیں، اس کے لئے میں دوبارہ آپ کو سلام کرتی ہوں، کیونکہ بہت کم ایسا ہوتا ہے۔ دوسری بات یہ ہے کہ میرا کمار جی کے بعد آپ دوسری خاتون اس عہدہ پر آئیں ہیں، اس کی بھی ہمیں خوشی ہے اور شاید اس وجہ سے زیادہ ہے کہ ایک عورت، جو ایک لیڈی ہے وہ زیادہ سینسیٹیو ہوتی ہے۔

میں امید کرتی ہوں کہ جیسے یہاں کئی اپوزیشن کے لیڈران نے بھی کہا ہمیں نمبرس کے حساب سے تولا نہیں جائے گا، کیونکہ ہم جہاں سے چن کر آئے ہیں، ریاست جموں وکشمیر، وہاں صرف چھ ممبرس ہیں مگر جن حالات میں خاص طور پر کشمیر سے جس طرح، جن لوگوں نے ہمیں چنا ہے، جن حالات میں چنا ہے، کئی لوگوں کی جانیں گئیں، کئی قسم کی پریشانیاں ان کو اٹھانی پڑی۔ ان کو یہ امید ہے کہ اس پارلیمنٹ میں، جس کا میرے خیال میں کوئی 30-20 سال کے بعد آپ کو ایک ڈیسیسیو مینڈیٹ ملا ہے۔ جیسے محترم وزیرِ اعظم صاحب نے فرمایا کہ 315 لوگ نئے چن کر آئے ہیں۔ ایک نیا جوش ہے۔ اس پارلیمنٹ سے ہمارے لوگوں کو بہت امیدیں ہیں، خاص کر جوانوں جنہوں نے گولیوں کا مقابلہ کیا، ہر چیز کا مقابلہ کیا۔ ہماری بچیوں کو جنہوں نے بہت ہی خطرناک حالات میں نکل کر ووٹ ڈالے۔ ان کو یہ امید ہے، جیسے وزیرِ اعظم صاحب نے فرمایا، واجپئی جی نے جموں وکشمیر کا مسئلہ جس نے 60 سال سے اس ملک کو باندھے رکھا ہے۔ ہر وزیرِ اعظم کا وہ چیلینج رہا ہے۔ انہوں نے بہت اچھا نسخہ بتایا تھا، اندرونی کہ جموں وکشمیر کے مسئلے کا حل انسانیت کے دائرے میں کریں گے۔ آپ دوست بدل سکتے ہیں لیکن پڑوسی نہیں بدل سکتے۔ مجھے خوشی ہے کہ وزیرِ اعظم صاحب نے اس کی ایک شروعات کی ہے۔

میں امید کرتی ہوں کہ ہمارے نمبر کو آپ نہ دیکھیں۔ ہماری جو دقتیں اور مشکلات ہیں شاید پورے ملک سے زیادہ ہیں۔ مجھے پوری امید ہے کہ ہمیں اپنے لوگوں کی نمائندگی کرنے کا پورا موقع ملے اور ان کا دکھ آپ لوگوں کے ساتھ بانٹنے کرتا کہ اس ایوان سے ہماری ہر مشکل کا یہاں سے سمادھان ملے۔

میں دوبارہ آپ کو ایک بار پھر سے مبارکباد دینا چاہتی ہوں۔ بہت بہت شکریہ۔

श्री दुष्यंत चौटाला (हिसार) : मैडम स्पीकर, मैं अपनी ओर से और इंडियन नेशनल लोक दल पार्टी के मुखिया, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की ओर से आपको आज इस पद पर विराजमान होने के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं। कहीं न कहीं मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि आप चौधरी देवीलाल जी और मेरे पिता जी के साथ भी इसी हाउस में काम कर चुके हैं। आज मुझे भी आपके साथ काम करने का मौका मिला। इस हाउस का सबसे युवा सांसद होने के नाते भी आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूं और यही इच्छा रखता हूं कि जब हम बोलें तो हमें भी बराबर मौका दिया जाए, कहीं युवा होने के नाते हमें नकारा न जाए।

[अनुवाद]

श्री नेफिउ रिओ (नागालैंड) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं, अपनी और अपनी पार्टी नागा पीपुल्स फ्रंट एवं पूर्वोत्तर क्षेत्रीय दलीय मोर्चा की ओर से 16वीं लोक सभा के अध्यक्ष पद पर चुने जाने के लिए आपको हार्दिक बधाई देता हूं।

मैं आश्वस्त हूं कि सार्वजनिक जीवन में आपके वृहद अनुभव और देश के लोगों के प्रति आपकी वास्तविक चिंता से लोक सभा अध्यक्ष के पद की गरिमा एवं उसका दर्जा और ऊंचा होगा जिससे इस सदन की कार्रवाई का संचालन दलगत भावना, जाति, संप्रदाय अथवा दर्जे से उपर उठकर माननीय सदस्यगण के माध्यम से इस प्रकार से हो कि वह देश के सभी भागों तक पहुंच कर समावेशी हो सके।

मेरा राज्य अब पचास वर्ष पुराना है। तेलंगाना के एक मेरे सहयोगी ने कहा था कि उसका राज्य पांच दिन पुराना है। फिर भी हमारे राज्य में बहुत सारी समस्याएं हैं और नागाओं से जुड़े राजनीतिक मुद्दे का समाधान नहीं किया गया है। मैं अपने राज्य का इकलौता सदस्य हूं, इसलिए हमें बहुत कुछ चर्चा करनी है और उनका समाधान करना है, मैं अध्यक्षपीठ से आशा करता हूं कि वे केवल संख्या बल, पार्टी अथवा बड़े आकार के आधार पर सदस्यों का संरक्षण न करें बल्कि अल्पसंख्यकों और उन लोगों का भी संरक्षण करें जो लोगों की समस्याओं को उद्धृत करने के लिए उनका प्रतिनिधित्व करते हैं।

महोदया, हम आपको आश्वस्त करते हैं कि हम अध्यक्षपीठ का सहयोग करेंगे। हम आशा करते हैं कि इस सभा में रचनात्मक कार्य होगा जो इस देश को विकास के पथ पर अग्रसर करेगा और यह एक विकसित देश बन जाएगा।

[हिन्दी]

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालन्दा) : माननीय अध्यक्ष महोदया, आप 16वीं लोक सभा की अध्यक्ष चुनी गईं, इसके लिए मैं आपको बधाई देता हूं। मैं अपनी पार्टी जनता दल (यू) की तरफ से भी आपको बधाई देना चाहता हूं और आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि जो भी नये माननीय सदस्य चुनकर आये हैं या दूसरी बार चुन कर आये हैं, उन तमाम लोगों की रक्षा करना आपका कर्त्तव्य बनता है। हम अपनी तरफ से आपको विश्वास दिलाते हैं कि हम तमाम सांसदगण आपके साथ सहयोग करेंगे।

[अनुवाद]

श्री एच.डी. देवेगौड़ा (हसन) : माननीय अध्यक्ष महोदया, संपूर्ण सभा ने आज एकमत से आपको अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद के लिए चुना है। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा यह प्रस्ताव लाया गया और श्री एल.के. आडवाणी जी द्वारा इसका समर्थन किया गया तथा विपक्षी नेता व सभी राजनीतिक दलों ने इस सभा के सबसे ऊंचे पद, अध्यक्ष पद के लिए आपका चुनाव किया। यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि यह सभा सुचारू तरीके से चले। यह केवल सत्ता पक्ष ही नहीं अपितु सभी छोटे बड़े विपक्षी दलों की भी जिम्मेदारी है कि यह सभा सुचारू रूप से चले। मैं पंद्रहवीं लोक सभा का साक्षी रहा हूं। मैं सोलहवीं लोक सभा में वे चीज़े फिर नहीं देखना चाहता। आज, सरकार बहुमत में है। आज सरकार को बहुमत की कोई कमी नहीं है। बहुमत वाली पार्टी है। इसलिए, मैं इस सभा के नेता से अनुरोध करता हूं कि वे क्षेत्रीय दलों को उनके समक्ष आ रही समस्याओं पर अपने विचार रखने के लिए कुछ अधिक समय प्रदान करें।

इन्हीं शब्दों के साथ पूर्ण निष्ठा के साथ मैं पुनः आपको बधाई देता हूं और अध्यक्षपीठ के प्रति पूर्ण सम्मान दर्शाते हुए अपनी तथा अपने दल की ओर से आश्वासन देता हूं कि मैं बिना किसी विरोध के और कोई समस्या खड़ी किए बिना पूर्ण सहयोग करूंगा।

श्रीमती अनुप्रिया सिंह पटेल (मिर्जापुर) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपको बधाई देती हूं और अपने दल के अध्यक्ष एवं अपनी पार्टी, 'अपना-दल' की ओर से आज इस सदन के अध्यक्ष के रूप में एकमत से चुने जाने पर हार्दिक बधाई देती हूं।

यह एक बड़ा अवसर है कि एक महिला इस सदन के इतिहास में दूसरी बार इस प्रतिष्ठित पद पर आसीन हुई हैं। मैंने वरिष्ठ सदस्यों, जिन्होंने कुछ देर पहले ही अपने विचार व्यक्त किए हैं, से आपके उत्कृष्ट कैरियर के बारे में सुना। महोदया हम सभी को आपसे बड़ी आशा है, हम आपकी अद्भुत क्षमता से वाकिफ हैं, क्योंकि आपने एक नगरसेवक से लेकर वर्तमान संसद के अध्यक्ष तक का सफर तय किया है।

महोदया, सभा में मेरे दल के सदस्यों की संख्या बहुत ही कम, केवल दो है। फिर भी, मैं आपसे आशा करती हूं कि मुझे अपने विचारों और अपने संसदीय क्षेत्र, मिर्जापुर, मेरे राज्य, उत्तर प्रदेश और इस सभा के सदस्यों की चिंताओं को व्यक्त करने के लिए आप पर्याप्त समय देंगी।

इस सभा में 350 नए सदस्य हैं। इसलिए, नए सदस्यों की ओर से मैं आप तक यह बात प्रेषित करना चाहती हूं कि हमें अभिव्यक्ति का, सीखने का और आगे बढ़ने का अवसर दिया जाए। 16 महिला सदस्य, जो आपमें अपनी मां की झलक देखतीं हैं, की ओर से मैं अनुरोध करती हूं कि आप न केवल हमारा संरक्षण करें बल्कि हमारा मार्गदर्शन भी करें और जब कभी भी हम गलती करें तो उसमें सुधार करें और हमें प्रगति करने और सशक्त बनने का अवसर प्रदान करें।

माननीय अध्यक्ष महोदया, हमें विश्वास है कि आप इस सदन की पवित्रता बनाए रखेंगी। मैं, अपनी पार्टी *'अपना दल'* की ओर से सदस्य के रूप में पूरा सहयोग देने का आश्वासन देती हूं ताकि सभा की कार्यवाही सुचारू रूप से चले जिससे अधिकांश दिनों में रचनात्मक कार्य हो।

इन्हीं शब्दों के साथ, मैं आपको एकबार पुन: धन्यवाद और बधाई देती हूं।

श्री असादुद्दीन ओवैसी (हैदराबाद) : महोदया, सर्वप्रथम भारत के प्रथम प्रधानमंत्री के कथन का उद्धरण देकर मैं अपनी बात प्रारंभ करना चाहता हूं:–

> "अध्यक्ष सभा का प्रतिनिधित्व करता है। अध्यक्ष सभा की गरिमा और स्वतंत्रता का परिचायक होता है और चूंकि सभा राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करती है, एक तरह से अध्यक्ष राष्ट्र की स्वतंत्रता और स्वायत्तता का प्रतीक बन जाता है। अत: यह सही है कि यह एक सम्मानित पद होना चाहिए, स्वतंत्र पद होना चाहिए और हमेशा उत्कृष्ट योग्यता वाले तथा निष्पक्ष व्यक्तियों से सुशोभित होना चाहिए।"

महोदया, मैं आपको बधाई देता हूं; आपको हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मुझे विश्वास है कि अपने वृहद अनुभव से आप अध्यक्ष के रूप में अपने मूल कर्त्तव्य, जो कि इस सम्माननीय सभा में व्यवस्था बनाए रखने का है, का निर्वहन करने में समर्थ होंगी।

महोदया, मैं आपको सामाजिक न्याय और आधिकारिता सम्बन्धी स्थायी समिति के सभापति के रूप में पहले ही देख चुका हूं। जब मैंने इस सम्माननीय सभा में पहली बार प्रवेश किया, तो आपने मुझे बहुत सारे अवसर प्रदान किए। मुझे विश्वास है कि आपकी अध्यक्षता में, इस सम्माननीय सभा में मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय के अल्पसंख्यक सदस्य को मुद्दे उठाने के पर्याप्त अवसर दिये जायेंगे। महोदया, इस अवसर का लाभ उठाते हुए मैं आपको यह भी स्मरण कराना चाहता हूं कि विशाल बहुमत वाला सत्ताधारी दल इस सम्माननीय सभा के लिए नया नहीं है। मुझे विश्वास है कि श्री मावलंकर द्वारा स्थापित किए गए अध्यक्ष पद के महान आदर्शों और स्वतंत्रता को आप बनाए रखेंगी। भारत के नागरिक भी यह चाहते हैं कि उनकी आशाओं, अभिलाषाओं, उत्कंठाओं, आशंकाओं और दृष्टिकोणों का इस सम्माननीय सभा में समाधान किया जाए। इसके लिए हमें इस सम्माननीय सभा में स्वतंत्र और निष्पक्ष बहस करने की आवश्यकता है। मुझे विश्वास है कि आप जनता से सम्बन्धित मुद्दों को सरकार के समक्ष रखने के लिए विपक्ष के सदस्यों को पर्याप्त अवसर देंगी।

महोदया, मैं यह कहकर अपनी बात समाप्त करना चाहता हूं कि यद्यपि आप कमल के चिह्न पर निर्वाचित हुई हैं, परन्तु अध्यक्ष को कमल के फूल की तरह होना चाहिए, जो पानी में उगता है परन्तु फिर भी पानी इस पर ठहरता नहीं है।

डॉ. अंबुमनी रामादोस (धर्मापुरी) : महोदया, अपनी पार्टी पट्टाली मक्काल कटची, पीएमके और मेरे नेता, डॉ. रामादोस की ओर से मैं, सर्वसम्मति से इस ऐतिहासिक सदन की अध्यक्ष निर्वाचित होने पर आपको हार्दिक रूप से बधाई देना चाहूंगा।

महोदया, आपको विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के मंदिर की चाबी सौंप दी गई है। हम सबको पूर्ण विश्वास है कि आप अपने कार्य में सफल रहेंगी। यह भी कि सदस्यों के रूप में हम आपको पूर्ण सहयोग करना चाहेंगे ताकि इस सदन की गरिमा, शिष्टता और मर्यादा को बनाए रखा जा सके।

श्री एन.के. प्रेमचन्द्रन (कोल्लम) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मेरी पार्टी रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी की ओर से मैं आपको लोकतंत्र के सबसे बड़े पद, 16वीं लोक सभा की अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने पर शुभकामनाएं और बधाई देता हूं। अध्यक्ष महोदया, 16वीं लोक सभा इस मिसाल या परम्परा को आगे बढ़ा रही है कि अध्यक्ष के पद पर एक महिला आसीन हो। वास्तव में यह इतिहास या प्रथा संप्रग के कार्यकाल से प्रारंभ हुई है और यह इतिहास बनाने तथा अध्यक्ष के पद पर महिला को आसीन करने के लिए कांग्रेस निश्चित ही बधाई की पात्र है। यह परम्परा राजग ने भी बनाए रखी। यह राजग का भी एक स्वागत योग्य कदम है और एक महिला को देश में लोकतंत्र के सर्वोच्च पद पर आसीन करने के लिए मैं राजग को बधाई देता हूं।

महोदया, मैंने इस सदन की संरचना का विश्लेषण किया है। इस सदन की संरचना अद्वितीय है। मैं उस पार्टी से आता हूं जिसका केवल एक सदस्य यहां है। यहां 10 एक सदस्य वाले दल और 6 दो सदस्यों वाले दल मौजूद हैं। यही इस सदन की संरचना है। लोकतंत्र की सफलता इस बात में निहित है कि अध्यक्ष का पद किस प्रकार विपक्ष, विशेष रूप से उन छोटे समूहों, जो कि सम्पूर्ण देश का प्रतिनिधित्व करते हैं, के हित की रक्षा करने में समर्थ है और इस बात पर भी कि अध्यक्ष का पद किस

प्रकार से सरकार के कार्य को बेहतर ढंग से निष्पादित करने में समर्थ है। हमें आशा है कि नगर निगम से लोक सभा अध्यक्ष के पद तक के पिछले सारे दशकों में हासिल किए गए विशाल अनुभव से आप छोटे दलों, विपक्ष और सरकार को विश्वास में लेकर निश्चय ही इस कार्य को अच्छी प्रकार करने में सफल हो सकती हैं। इसके लिए मैं अपनी शुभकामनाएं तथा बधाई देता हूं। आइये, इसे एक बड़ी सफलता बनाएं।

श्री ई. अहमद (मलप्पुरम) : अध्यक्ष महोदया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। सदन की अध्यक्ष के रूप में आपको बधाई देना वास्तव में मेरे लिए सर्वाधिक प्रसन्नता का अवसर है। मैं इस सदन के सदस्य के रूप में आपके साथ पिछले छह कार्यकालों से कार्य कर रहा हूं। यह मेरा सातवां कार्यकाल है और आपका आठवां। अत: किसी को सीख या मार्गदर्शन देने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि आप स्वयं यह अनुभव प्राप्त कर चुकी हैं कि सभा को कैसे चलाया जाता है और माननीय सदस्यों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। अब इस सभा की अध्यक्ष के रूप में हमारे पास प्रसन्नचित्त मुखमुद्रा वाला व्यक्ति है। इसकी हमें बड़ी खुशी है।

माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं एक बात कहना चाहूंगा। मेरी पार्टी यहां वर्ष 1952 से है। हमारे सदस्य सहयोग करने के समय सरकार का सहयोग और विरोध करने के समय विरोध करते रहे हैं। यही लोकतंत्र का सच है। हम लोकतांत्रिक सिद्धांतों का पालन कर रहे हैं। लोकतांत्रिक सिद्धांत कहते हैं कि यदि सरकार जनता के लिए कोई बुरा काम कर रही है और आप विपक्ष में हैं, तो सरकार का विरोध करें, सरकार की पोल खोलें और यदि सम्भव हो, तो सरकार गिरा दें।

माननीय अध्यक्ष महोदया, जैसा कि आप जानती हैं, हमारे छोटे से दल को जनता की भावनाओं को अभिव्यक्त करने का अधिकार है। यहां भारत के अल्पसंख्यक समुदायों को सरकार द्वारा न तो छोड़ा जा सकता है, न ही उनकी उपेक्षा की जा सकती है और न ही सरकार द्वारा उन्हें भुलाया जा सकता है। अल्पसंख्यकों को उनका यथोचित सम्मान दिया जाना चाहिए। यही लोकतंत्र का मूल सिद्धांत है। मुझे विश्वास है कि आपके मार्गदर्शन और नेतृत्व में हमें निश्चय ही अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करने के अवसर मिलेंगे।

अध्यक्ष महोदया, इस अवसर पर अपनी पार्टी, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग की ओर से मैं आपका अभिनंदन करता हूं और आपको बधाई देता हूं।

माननीय अध्यक्ष : श्री विजय कुमार हांसदाक - अनुपस्थित।

श्री जोस के. मणि (कोट्टायम) : अध्यक्ष महोदया, 16वीं लोक सभा की सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित होने पर मेरी पार्टी केरल कांग्रेस (एम) की ओर से, स्वयं मेरी ओर से तथा इस सम्माननीय सभा की ओर से आपको बधाई।

राजनीतिक जीवन में जनप्रतिनिधि के रूप में चार दशकों से अधिक का अनुभव इस सभा को प्रभावपूर्ण, सक्षमता और सुचारू ढंग से चलाने में इसकी गरिमा को बनाए रखने में बहुत काम आयेगा। भारत के इतिहास में यह दूसरी बार है कि कोई महिला लोक सभा की अध्यक्ष बनी है। झूला झुलाने वाला हाथ विश्व पर शासन भी करता है।

इस सदन को प्रभावी और सुचारू रूप से चलाने में आपका वृहद अनुभव निश्चित रूप से 16वीं लोक सभा में इतिहास बनाएगा।

सदन को चलाने तथा इस सदन में जनता की आवाज उठाने में हम अपनी ओर से, अपनी पार्टी की ओर से और इस सम्माननीय सभा की ओर से आपको पूर्ण सहयोग करेंगे।

[हिन्दी]

माननीय अध्यक्ष : माननीय प्रधानमंत्री जी, मंत्रिपरिषद् के माननीय सदस्यगण, राजनीतिक दलों के आदरणीय नेतागण तथा माननीय सदस्यगण।

महान भारत की 16वीं लोक सभा के अध्यक्ष पद पर आपके द्वारा मुझे सर्वसम्मति से निर्विरोध निर्वाचित किए जाने के लिए मैं आपकी अत्यन्त आभारी हूं।

मेरे लिए ये क्षण जितने गौरवपूर्ण हैं उतने ही चुनौतीपूर्ण हैं। जो दायित्व आपने मुझे सौंपा हैं, उसके गुरुत्तर भार को वहन करने की चुनौती भी मेरे समक्ष है। मैं जानती हूं कि मेरे लिए जो भावपूर्ण उद्गार इस सदन में विभिन्न वक्ताओं द्वारा व्यक्त किए गए हैं, वे प्रकारान्तर से मुझसे की जाने वाली अपेक्षाओं के रूप में भी थे।

इस सदन में पिछले निरंतर पच्चीस वर्ष के मेरे अनुभव के बल पर मैं इन अपेक्षाओं पर खरा उतरने का भरसक प्रयत्न करूंगी और आपको निराश नहीं होने दूंगी, ऐसा आश्वासन मैं आपको देती हूं।

मैं स्वयं भी पूर्ण रूप से आश्वस्त हूं कि आप सभी का सक्रिय सहयोग मुझे सदन को नियमित तथा निर्बाध रूप से चलाने में मिलता रहेगा।

मैं आप सभी को सोलहवीं लोक सभा के लिए निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई देती हूं। हमारे देश के मतदाताओं ने हमें एक सुअवसर दिया है तथा सवा सौ करोड़ से भी अधिक लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने का दायित्व हमें सौंपा है। इस दायित्व का निर्वाह पूर्ण कर्त्तव्य निष्ठा और समर्पण भाव से करने पर ही हम उस विश्वास को बनाए रख सकते हैं जो भारत की जनता ने हम सब में व्यक्त किया है।

अब हमारे और विशेष रूप से राजनीतिक दलों के नेताओं के समक्ष यह चुनौती है कि हम देश में शांति, प्रगति और खुशहाली के एक नए युग का सूत्रपात करें। इस चुनाव में सुशासन और विकास का सुस्पष्ट जनादेश मिला है जिसका सम्मान कर देश को प्रगति व विकास के पथ पर अग्रसर करना हम सभी का कर्त्तव्य है।

हाल ही में सम्पन्न आम चुनाव हमारे देश के इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना है जिसमें प्रतिनिधियों को चुनने के लिए सर्वाधिक यानी 66.48 प्रतिशत अर्थात् लगभग 82 करोड़ से भी अधिक मतदाताओं ने मतदान किये जो कि एक रिकॉर्ड है।

आप सभी को विदित है कि विधायी कार्य हमारा अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्य है। जनता के हितार्थ पारित किए जाने वाले अधिनियमों पर अर्थपूर्ण चर्चा सदन का महत्वपूर्ण कार्य है। विस्तृत तथा सर्वांगीण चर्चा के माध्यम से ही हम त्रुटिरहित जनहित साधने वाले कानून बना सकते हैं। मेरा सभी सम्माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वे सदन में सार्थक चर्चा के माध्यम से विधायी कार्य में अपना योगदान दें।

सदन की विभिन्न समितियां भी संसदीय प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सदन में आने वाले विषयों पर समितियों में विस्तृत चर्चा हो जाने से सदन का महत्वपूर्ण समय भी बचता है। मैं माननीय सदस्यों से अनुरोध करती हूं कि वे सदन की जिस भी समिति के सदस्य बनेंगे, उसके कार्य में अत्यधिक रूचि लेकर विधायी कार्य को गतिमान बनाने में सहयोग करें।

हमारी संसद प्रबुद्ध और सुसंस्कृत चर्चा का मंच हुआ करती थी जिसमें सुविज्ञ और दिग्गज सांसद भाग लेते थे। जहां हम उस शानदार परम्परा का निर्वहन करते हैं, वहीं कई बार हम रास्ता भटक भी जाते हैं। स्वस्थ चर्चा की शानदार पम्परा ही हमारा आधार होनी चाहिए ताकि इस महान लोकतांत्रिक संस्था की विश्वसनीयता को और अधिक मजबूत बनाया जा सके।

आज जब मैं पीठासीन अधिकारी के रूप में इस सदन के संचालन के इस नए दायित्व को संभालने जा रही हूं, मैं सभी राजनीतिक दलों के नेताओं और सदस्यों से अपेक्षा करती हूं कि वे सदन के सुचारू संचालन में मुझे सहयोग देंगे और मेरा सदस्यों से निवेदन है कि वे विभिन्न संसदीय साधनों का उपयोग समुचित और प्रभावी ढंग से करें ताकि यह सदन लोकतंत्र की सही मिसाल बन सके।

माननीय सदस्यगण, संसद हमारी सांस्कृतिक विविधता एवं उसमें छिपी हमारी एकता परिलक्षित करती है। संसद इसी अर्थ में नियम बनाने की भूमिका से ऊपर हमारी राष्ट्रीय भावनाओं का प्रतिबिंब है। यहां हम अपनी भूमिका का आकलन सिर्फ अपने संसदीय क्षेत्र के संदर्भ में नहीं कर सकते हैं। हमें व्यापक राष्ट्र निर्माण को लेकर चलना होगा। राष्ट्र सर्वोपरि है, यह भाव भी आवश्यक रखना होगा।

संसदीय जनतंत्र में अलग-अलग राजनैतिक विचारों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य सदन में होने स्वाभाविक हैं, परन्तु फिर भी सम्माननीय सदस्यों का सदन की कार्यवाही में समान रूप से सहभागी होना, समान रूप से विभिन्न विषयों पर चर्चा करके एक सर्वमान्यता बनाना, यह अपेक्षित होता है, क्योंकि हमारी मान्यता है कि –

समानो मन्त्रः समितिः समानी, समानं मनः सहचित्तमेषाम्।
समानं मन्त्रमभिमन्त्रये वः, समानेन वो हविषा जुहोमि।।

हम सबकी एक सामान्य, एक कॉमन, हम सब लोग प्रार्थना करेंगे और कोई एक सर्वसामान्य उपलब्धि, एक सर्वसामान्य हमारे मन में भाव रखकर, हम सभी मिलकर एक समान ध्येय की तरफ आगे बढ़ें, यही इसमें अपेक्षित है और मुझे विश्वास है कि माननीय सदस्य अपने इस दायित्व को ध्यान में रखकर सदन के कार्य में सहभागी बनेंगे।

माननीय सदस्यगण, यह हर्ष का विषय है कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी ने, क्योंकि यहां बार-बार जो बात उठी कि छोटे दल, एक सदस्य, दो सदस्य, तो मैं थोड़ा सा कहूंगी कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने निर्वाचन के परिणामों की घोषणा के पूर्व ही संकेत किया था कि वे सवा सौ करोड़ भारतीयों के प्रधानमंत्री होंगे तथा उनके लिए हर सांसद, उनके लिए, हम सबके लिए और मेरे लिए भी हर सांसद समान रूप से महत्वपूर्ण होगा।

मेरे जीवन में प्रातः स्मरणीय लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर मेरी प्रेरणा स्रोत एवं आदर्श रही हैं। मैं महताब जी को धन्यवाद दूंगी, जिन्होंने इस बात को रिकोग्नाइज किया। वहां मूर्ति लग गयी है, उसे देखा भी है। उसके पीछे कई भाव भी हैं। अपनी राजनीतिक यात्रा में मुझे लोकतंत्र की कई महान हस्तियों के साथ काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। संसद के साथ मेरा संबंध नौवीं लोक सभा से प्रारंभ होकर अब तक जारी है। मुझे अनेक पदों पर रहते हुए विभिन्न संसदीय समितियों के सभापति और सदस्य के रूप में; लोक सभा की सभापति तालिका के सदस्य के रूप में; विभिन्न मंत्रालयों में केन्द्रीय मंत्री के रूप में अपने देश और देशवासियों की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

मेरा सार्वजनिक जीवन विविध घटनाओं से भरा और सक्रिय रहा है। मुझे राष्ट्र हित में योगदान और इसके माध्यम से अपने जीवन को नया आयाम देने का यह सुअवसर मिला है, जिससे मुझे असीम संतोष का अनुभव हो रहा है और इसके लिए मैं आप सबकी आभारी भी हूं।

श्री जी.वी. मावलंकर से लेकर आज तक मेरे सभी पूर्ववर्ती अध्यक्षों का प्रयास रहा है कि संसदीय लोकतंत्र की परम्पराओं को कायम रखा जाये और सभा के सुचारू संचालन के लिए परिपाटियां और नियम बनाये जायें। उनसे मिली महान विरासत के लिए मैं उन्हें आदरपूर्वक स्मरण करती हूं। आवश्यकता पड़ने पर नयी स्वस्थ्य परम्पराएं भी हम सब मिलकर प्रारंभ करें, यह मेरा प्रयास रहेगा।

मैं पुन: इस सभा के प्रति आभार व्यक्त करती हूं कि उन्होंने सभा की अध्यक्षता के लिए मुझमें अपना विश्वास व्यक्त किया है।

मैं विशेष रूप से माननीय प्रधानमंत्रीजी तथा सभी दलों और समूहों के माननीय नेताओं और सभी माननीय सदस्यों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देती हूं। इस अवसर पर मैं सामयिक अध्यक्ष, श्री कमलनाथ जी को भी हार्दिक धन्यवाद देती हूं जिन्होंने अध्यक्ष पद पर मेरे निर्वाचन से पहले, सभा के गरिमापूर्ण और निर्विघ्न संचालन की परम्परा कायम रखी है।

मुझे विश्वास है कि दक्ष लोक सभा सचिवालय, जिसका कल ही हमें एक परिचय भी मिला, हमारे सेक्रेटरी जनरल ने जिस तरीके से दिनभर यहां बैठकर पूरी सभा को कंडक्ट किया, तो सचिवालय की सहायता और पूर्ण सहयोग से मैं सभा की अपेक्षाओं को पूरा कर पाऊंगी और अंत में, मैं सभी माननीय सदस्यों का आह्वान करती हूं कि वे लोकतंत्र के इस मंदिर के माध्यम से देश और देशवासियों की सेवा के प्रति स्वयं को समर्पित करें। सभी की तरफ से, मैं उस जगन्नीयता को प्रार्थना करती हूं।

"अजय्यम् आत्मसामर्थ्यम्, सुशीलम् लोकपूजितम्।
ज्ञानम् च देहि विश्वेश, ध्येयमार्ग प्रकाशकम्।।"

बात वही है कि हम उस विश्व के पालनकर्त्ता से प्रार्थना करें कि हमें ऐसी आत्मशक्ति दे, जिससे हमें आज जिसकी आवश्यकता है, सुशील, एक वर्चुअस कैरेक्टर की, जिसकी सामान्य जनता सम्मान करती है, उसके साथ ऐसा ज्ञान भी हमें मिले जो हमारे मार्ग को, हमारे ध्येय के प्रति जाने के लिए प्रकाशमान करे। इन सभी भावनाओं के साथ फिर एक बार आपका हार्दिक-हार्दिक आभार।

अपराह्न 12.42 बजे

मंत्रियों का परिचय

[अनुवाद]

माननीय अध्यक्ष : अब, प्रधानमंत्री मंत्रियों, राज्य मंत्रियों, जो हाल में मंत्रिपरिषद् में शामिल किए गए हैं, का परिचय कराएंगे।

[हिन्दी]

प्रधानमंत्री (श्री नरेन्द्र मोदी) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपकी अनुमति से, आपसे और आपके माध्यम से इस सम्मानित सदन से अपने मंत्रिपरिषद् के सहयोगियों का परिचय कराना चाहता हूं:-

कैबिनेट मंत्री :

श्री राजनाथ सिंह	गृह मंत्री
श्रीमती सुषमा स्वराज	विदेश मंत्री और प्रवासी भारतीय मामले मंत्री
श्री अरुण जेटली	वित्त मंत्री, कॉर्पोरेट, मामले मंत्री और रक्षा मंत्री
श्री एम. वैंकैय्या नायडू	शहरी विकास मंत्री, आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री
श्री नितिन जयराम गडकरी	सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, जहाजरानी मंत्री और ग्रामीण विकास मंत्रालय, पंचायती राज मंत्रालय तथा पेयजल और स्वच्छता मंत्रालयों का अतिरिक्त कार्यभार
श्री डी.वी. सदानंद गौडा	रेल मंत्री
सुश्री उमा भारती	जल संसाधन, नदी विकास और गंगा पुनरुद्धार मंत्री
डॉ. नज़मा ए. हेपतुल्ला	अल्पसंख्यक मामले मंत्री

श्री राम विलास पासवान	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री
श्री कलराज मिश्र	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री
श्रीमती मेनका संजय गांधी	महिला और बाल विकास मंत्री
श्री अनंत कुमार	रसायन और उर्वरक मंत्री
श्री रविशंकर प्रसाद	संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री तथा कानून और न्याय मंत्री
श्री अशोक गजपति राजू पुसपति	नागरिक उड्डयन मंत्री
श्री अनंत गीते	भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री
श्रीमती हरसिमरत कौर बादल	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री
श्री नरेन्द्र सिंह तोमर	खान मंत्री, इस्पात मंत्री तथा श्रम और रोजगार मंत्री
श्री जुएल उरांव	जनजातीय मामले मंत्री
श्री राधा मोहन सिंह	कृषि मंत्री
श्री थावरचन्द गहलोत	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री
श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी	मानव संसाधन विकास मंत्री
डॉ. हर्ष वर्धन	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

जनरल वी.के. सिंह	पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री; और प्रवासी भारतीय मामले मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री इन्द्रजीत सिंह राव	योजना मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); और रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री संतोष कुमार गंगवार	वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री; जल संसाधन, नदी विकास और गंगा पुनरुद्धार मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री श्रीपाद येसो नाईक	संस्कृति मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); और पर्यटन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
श्री धर्मेन्द्र प्रधान	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
श्री सर्बानन्द सोनवाल	कौशल विकास, उद्यमिता, युवा मामले और खेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
श्री प्रकाश जावड़ेकर	सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री

श्री पीयूष गोयल...*(व्यवधान)*

कुछ माननीय सदस्य : माननीय मंत्री जी सदन में उपस्थित नहीं हैं।...*(व्यवधान)*

श्री नरेन्द्र मोदी : ठीक है, उनका परिचय बाद में करा देंगे।

डॉ. जितेन्द्र सिंह	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); पृथ्वी-विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री; कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री; परमाणु ऊर्जा विभाग में राज्य मंत्री; और अंतरिक्ष विभाग में राज्य मंत्री
श्रीमती निर्मला सीतारमण	वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री; और कॉर्पोरेट मामले मंत्रालय में राज्य मंत्री

राज्य मंत्री

श्री जी.एम. सिद्धेश्वर	नागरिक उड्डयन मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री मनोज सिन्हा	रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री निहालचन्द	रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री उपेन्द्र कुशवाहा	ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री; पंचायती राज मंत्रालय में राज्य मंत्री; तथा पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री पोन राधाकृष्णन	भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री किरेन रिजीजू	गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री कृष्ण पाल	सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री; और जहाजरानी मंत्रालय में राज्य मंत्री
डॉ. संजीव कुमार बालियान	कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री; और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री मनसुखभाई धनजीभाई वसावा	जनजातीय मामले मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री रावसाहेब दादाराव दानवे	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री विष्णु देव साय	खान मंत्रालय में राज्य मंत्री; इस्पात मंत्रालय में राज्य मंत्री; तथा श्रम और रोजगार मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री सुदर्शन भगत	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री

अपराह्न 12.50 बजे

सदस्यों द्वारा शपथ ग्रहण — *जारी*

[अनुवाद]

माननीय अध्यक्ष : अब मैं श्री उदयनराजे प्रतापसिंह भोंसले और श्री अधीर रंजन चौधरी से अनुरोध करती हूं कि वे शपथ अथवा प्रतिज्ञान करें।

महाराष्ट्र

श्री उदयनराजे प्रतापसिंह भोंसले (सतारा) - शपथ - अंग्रेजी

पश्चिम बंगाल

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर) - शपथ - अंग्रेजी

माननीय अध्यक्ष : अब यह सभा सोमवार, 9 जून, 2014 को केन्द्रीय कक्ष में भारत के माननीय राष्ट्रपति के अभिभाषण के आधे घंटे पश्चात् समवेत होने के लिए स्थगित होती है।

अपराह्न 12.53 बजे

तत्पश्चात् लोक सभा सोमवार, 9 जून, 2014/19 ज्येष्ठ, 1936 (शक) को राष्ट्रपति के अभिभाषण की समाप्ति के आधे घंटे पश्चात् तक के लिए स्थगित हुई।